सदैव पाठकों के साथ

नवभारत

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा

Rajdhani - 30 Dec 2021 - 30raj3

दैनिक जीवन गणित के महत्व को प्रयोग से समझाया, प्रतिभाओं को अवसर देने का समय : प्रो. वर्मा

कला में भी है गणित, किया प्रदर्शित

■ नवभारत ब्यूरो | रायपुर.
www.navabharat.news

मूल विज्ञान केंद्र (सीबीएस) में द्विदिवसीय राष्ट्रीय गणित दिवस 2021 में विद्यार्थियों ने दैनिक जीवन में गणित के उपयोग और अनुप्रयोग को प्रदर्शित किया. उन्होंने यह दिखाया कि कला में भी गणित है. उद्घाटन सत्र में अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. केशरीलाल वर्मा ने कहा कि प्रतिभाएं अभावों में भी अवसर खोज लेती हैं, रामानुज का जीवन हम सबको प्रेरित करता है, वे गणित के लिए समर्पित वैज्ञानिक थे. उनका चिंतन छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरक है. अब समय है कि अवसर मिलने पर शोधार्थी रूचि लें तथा गुणवत्ता पूर्ण अनुसंधान में सहभागिता करें.

इस अवसर पर मूल विज्ञान केंद्र के संचालक प्रो. कल्लोल घोष ने मूल विज्ञान के अनेक उपलब्धियों को साझा करते हुए छात्रों को गणित के पहलुओं से परिचित करवाया. इस अवसर पर रंगोली के माध्यम से विभिन्न कलाओं में गणित की उपयोगिता पर 14 विद्यार्थियों ने प्रतिभा दिखाई. सर्वत्र गणित को व्याख्यायित करते हुए 21 पोस्टर विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रों ने बनाए. इक्कीसवीं सदी में गणित की प्रासंगिकता पर 28 छात्रों ने निबंध लिखे.

इसी तारतम्य में मूल विज्ञान की वार्षिक पत्रिका जरई के चौथे अंक का विमोचन किया. कार्यक्रम संयोजक डॉ. गोविंद प्रसाद साहू ने बताया कि विभिन्न स्पर्धाओं के निर्णायक के रूप में डॉ. विभा चौबे, डॉ. निधि देवांगन, डॉ. अरविंद अग्रवाल, डॉ. लक्ष्मी कांत, डॉ. भानुश्री गुप्ता, डॉ. वीनु जोशी, डॉ. गिरजा शंकर गौतम आदि उपस्थित रहे. संचालन अपूर्वा एवं सृष्टि ने किया.

सिक्योरिटी में गणित का महत्व

व्याख्यान सत्र में प्रयागराज उत्तप्रदेश के मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सह प्राध्यापक डॉ. सहदेव पाढ़ी ने 'मैथमैटिक्स फॉर सिक्योर कम्यूनिकेशन' पर व्याख्यान दिया. सम्प्रेषण को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के महत्वपूर्ण सूत्र सुझाए. उन्होंने बताया कि सिक्योरिटी में गणित का महत्वपूर्ण स्थान है. केरल गणित विद्यापीठ, कोच्चि के संचालक प्रो. कल्याण चक्रवर्ती ने भी व्याख्यान दिया.

आज क्विज स्पर्धा एवं समापन

30 दिसम्बर को क्विज स्पर्धा का आयोजन किया गया है. प्रश्नोत्तर सत्र भी होगा. भारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एच.के. पाठक तथा डॉ. कुलदीप सिंह पटेल व्याख्यान देंगे.